HD-05

December - Examination 2019

B.A. Pt. III Examination

आधुनिक काव्य

Paper - HD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों 'अ', 'ब' और 'स' में विभक्त है। खण्ड 'अ' अति लघूतरात्मक, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक और खण्ड–स निबंधात्मक प्रश्नों से संबंधित है।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं तथा उत्तर सीमा अधिकतम 30 शब्दों तक परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) खण्डकाव्य को परिभाषित कीजिए।

(ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की किन्हीं दो लंबी कविताओं के नाम लिखिए।

(iii) मिथकीय परम्परा के अनुसार 'ब्रह्मराक्षस' कौन बनता है?

(iv) 'परिवर्तन' कविता पंत के किस संग्रह में संकलित है?

(v) हिन्दी के किन्हीं दो खण्डकाव्यों तथा उनके रचनाकारों के नाम लिखिए।

(vi) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की प्रमुख काव्य–कृतियों के नाम लिखिए।

(vii) हरिवंशराय बच्चन किस काव्यधारा के कवि माने गए हैं?

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 07 अंकों का है।

2) आधुनिकता के विकास में प्रेस और यातायात के साधनों के योगदान को रेखांकित कीजिए।

3) 'हिन्दी में खण्डकाव्यों का विकास सही मायने में मैथिलीशरण गुप्त के द्वारा ही किया गया। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4) 'प्रवाद पर्व' के कथानक पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

5) 'दो चट्टानें' कविता से अभिव्यंजनात्मक पक्ष पर टिप्पणी लिखिए।

6) 'कुआनो नदी' कविता में अभावग्रस्त जन के प्रति गहरी संवेदना अभिव्यक्त हुई है। तर्कसहित उत्तर दीजिए।

7) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता।
वह उस महत्ता का
हम सरीखों के लिए उपयोग
उस आंतरिकता का बताता मैं महत्व।।

पिस गया वह भीतरी
औ बाहरी दो कठिन पाटों के बीच
ऐसी ट्रैजिडी है नीच!!

8) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''पर विद्या से
शक्ति और हो जाती
हो सकती थी तीखी।
शक्ति बुद्धि का
अपने हित में शोषण करती
बुद्धि बिचारी, हार मानकर
शक्ति पक्ष का, न्यायोचित–अन्यायोचित हो
पोषण करती।
क्या न यही भय
आज धरा पर व्याप रहा है।
बल विद्या से
जो संभव विध्वंस
उसी की आशंका से
क्या न विश्व सब काँप रहा है?

9) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''इतिहास
खड्ग से नहीं
मानवीय उदात्तता से लिखा जाना चाहिए
क्या होगा
इतिहास को इतना दास बनाकर कि

वह राजभित्तियों पर चित्रित तथा
शिलालेखों पर उत्कीर्णित
हमारी चारण–गाथा लगे,
और जीवन्तता के अभाव में
उन चित्रों, शिलालेखों को
काल
अपने में लीन कर
इतिहास हीन कर दे।''

खण्ड – स **2 × 14 = 28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) लम्बी कविता के रचना–विधान के आधार पर 'परिवर्तन' कविता की समीक्षा कीजिए।

11) नरेश मेहता के व्यक्तित्व पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए उनके कवि–कर्म पर विस्तृत लेख लिखिए।

12) 'सरोज स्मृति' कविता के अनुभूति पक्ष की विवेचना करते हुए इस कविता के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

13) फैंटेसी को परिभाषित करते हुए मुक्तिबोध की कविताओं के रचना विधान पर विस्तृत लेख लिखिए।